www.PapaCambridge.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level

HINDI LANGUAGE **8687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2011**

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

2744373898

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या और अपना नाम लिखें।
गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से कागज के दोनों ओर लिखें।
स्टेप्लर, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
अलग से दी गई उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।
शब्दकोश का प्रयोग मना है।
उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।

परीक्षा के अंत में अपने सभी पृष्ठों को सुरक्षित रूप से एक साथ धागे से बाँध दें।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

© UCLES 2011

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE International Examinations

www.PapaCambridge.com

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अनुवाद

विभिन्न भाषाओं के आदान-प्रदान में वृद्धि आने के कारण मानव-समाज का विकास द्रुतगति से होता चला गया जिसका परिणाम यह हुआ कि सम्पर्कों की प्रक्रिया को विस्तृत करने की अनिवार्यता अनुभव होने लगी। इस आवश्यकता ने अनुवाद को जन्म दिया। हाथ कंगन को आरसी क्या ? इतिहास साक्षी है कि युद्ध के समय पक्ष-विपक्ष दोनों अपने साथ दुभाषिए रखते रहे हैं। यह अनुवाद का पुरातन मौखिक स्वरूप था।

लिखित गति-विधि के रूप में अनुवाद को अपनाने में बहुत समय लगा। वस्तुतः अनुवाद की नाक उन यात्रियों ने रखी जिन्होनें देशाटन के निमित्त अनेक देशों की यात्राएं की और जहाँ-जहाँ वे गए, वहाँ-वहाँ की भाषाएं सीखकर उन्होनें वहाँ के प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन किया। चौथी शताब्दी में चीनी यात्री फ़ॉहियान ने पच्चीस वर्षों तक भारत में रहकर संस्कृत भाषा,व्याकरण,साहित्य,इतिहास तथा दर्शनशास्त्र पढ़े और इनमें से अनेक ग्रंथों की प्रतिलिपियां बनाईं। चीन लौट कर उसने इन प्रतिलिपियों का चीनी भाषा में अनुवाद किया। उन दिनों चीन में अनुवाद कार्य को राज्य द्वारा प्रश्रय दिया जाता था। इन ग्रन्थों के चीनी अनुवाद छठी-सातवीं शताब्दी तक जापान पहुंच गए और वहाँ उनका अनुवाद जापानी भाषा में किया गया।

अनुवाद का महत्त्व प्रत्येक युग तथा स्थान पर अनुभव किया जाता रहा है। यद्यपि प्राचीन-काल से लेकर आज तक अनुवाद ने कई मंजिलें तय की हैं, तथापि आधुनिक-काल में विज्ञान, तकनीकी विधियाँ, साहित्य, इत्यादि के विकास द्वारा इसे जो गति मिली है, वह अद्भुत है। इसके बल पर ही संसार बारूद, आतिशबाजी, मुद्रण-यन्त्र,काग़ज,करेंसी-नोट,सूची-वेध,ऐनक इत्यादि अनेकानेक आविष्कारों से परिचित हो सका। इतना ही नहीं अर्थ-द्योतक शब्दमाला ने उस समय में प्रचलित चीन देश की भाषाओं को एक सूत्र में बांध कर समष्टिवाद की भावना जागृत की। अनुवाद द्वारा आज एक सामान्य व्यक्ति भी ज्ञान-विज्ञान की उन सभी शाखाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकता है जो कल केवल मात्र कुछ सौभाग्यशाली लोगों के लिए ही सम्भव था।

वास्तव में अनुवाद एक ऐसा साधन बना जिसने मानवीय सद्भावना को न केवल पुष्ट किया है अपितु यह भारतीय साहित्य की प्रगति में एक सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ। यह वह सेतु प्रमाणित हुआ जिसने साहित्यिक विचार-विमर्श,भावनात्मक-एकात्मकता,भाषा-स्मृद्धि,तुलनात्मक-विश्लेषण एवं राष्ट्रीय-गौरव की संकल्पनाओं को साकार बना कर हमें वृहत्तर साहित्यिक-जगत से जोड़ा। भारत जैसे बहुभाषी देश में विभिन्न प्रदेशों के साहित्य में निहित एकता को निखारने के लिए यह एकमात्र अचूक साधन ही नहीं बना अपितु इसने मानवीय एकता को रोकने वाली भौगोलिक और भाषायी दीवारों को गिरा कर विश्वमैत्री को और भी सुदृढ़ बनाया है।

www.PapaCambridge.com

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त अनुच्छेद में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता (para. 1)

उत्तर : हाथ कंगन को आरसी क्या

(a) तेजी से (para. 1) [1]

(b) गवाह (para. 1) [1]

(c) लिए (para. 2) [1]

(d) अभूतपूर्ण (para. 3) [1]

(e) पुल (para. 4) [1]

[पूर्णांक : 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : नाक रखना (para. 2)

उत्तर : वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आकर इन दो विद्यार्थियों ने इस विद्यालय की नाक रख ली।

(a) आदान-प्रदान (para. 1) [1]

(b) गति-विधि (para. 2) [1]

(c) महत्त्व (para. 3) [1]

(d) माध्यम (para. 4) [1]

(e) निहित (para. 4) [1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें। (प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।)

[पूर्णांक: 15+5=20]

(a) अनुवाद की आवश्यकता क्यों पड़ी तथा प्राचीन युग में इसका रूप क्या था ? [4]

(b) अनुवाद की प्रगति में चीन का क्या योगदान था ? स्पष्टीकरण कीजिए। [3]

(c) अनुवाद द्वारा तीव्रता से उन्नत हुए विज्ञान व तकनीकी विधियों के तीन क्षेत्रों का अंकन कीजिए। [3]

(d) अनुवाद ने साहित्य को कैसे बढ़ावा दिया ? मुख्य दो विभागों का विवरण दीजिए। [2]

(e) भारतवर्ष में अनुवाद की तीन भूमिकाओं का उल्लेख कीजिए। [3]

[पूर्णांक : 20]

www.PapaCambridge.com

भाग 2

अब इस द्वितीय गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।

भाषा-प्रसार

जहाँ भारतवर्ष सारे संसार के उत्पाद निर्माताओं के लिए एक आकर्षित क्षेत्र है वहाँ यह अपने उत्पाद सम्पूर्ण जगत में भेजने के लिए भी तत्पर है। बाजार केवल मात्र खरीदने का ही नहीं अपितु बेचने का भी स्थान है। इस क्रय-विक्रय के अंतर्राष्ट्रीय काल में भाषा संचार-माध्यमों का केन्द्र है क्योंकि ये उत्पादन खरीदने के लिए उपभोक्ता के हृदय में ललक उत्पन्न करती है। यही कारण है कि आजकल भूमंडलीकरण की भाषा का प्रसार हो रहा है तथा क्षेत्रीय-भाषाएं संप्रेषण के माध्यमों द्वारा प्रस्तुत विज्ञापनों की भाषा को अपने में मिला रहीं हैं।

इस भूमंडलीकरण का आधार सैन्यशक्ति में नहीं अपितु जनसंचार में निहित है। यदि एक ओर सूचना-संचार प्रणाली किसी भी व्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है तो दूसरी ओर समाज के दर्पण के रूप में साहित्य एक संचार माध्यम है जो सूचनाओं को व्यापक रूप से कोने-कोने में प्रसारित करता है। यहाँ हिन्दी का प्रयोग उचित प्रतीत होता है क्योंकि गतिशीलता इस भाषा का मूलचरित्र है तथा अपनी लचीली प्रकृति के कारण यह अपने आपको सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार ढालने में समर्थ है। उदाहरणतः पौराणिक, ऐतिहासिक,राजनैतिक,पारिवारिक,वैज्ञानिक आदि धारावाहिकों का प्रदर्शन जिस हिन्दी में किया जा रहा है वह एकरूपी और एकरस नहीं बल्कि विषय के अनुरूप व्यावहारिक भाषा-रूपों का मिश्रण है जो जटिलता से सरलता की ओर बढ़ रही है।

साहित्य की तुलना में संचार-माध्यमों का ताना-बाना अधिक जटिल और व्यापक है क्योंकि ये तुरन्त व दूरगामी दोनों प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के कार्यक्रमों को हिन्दी में अनुवाद करने की बाढ़ सी आ गई है जिससे हिन्दी- भाषा के विविध उपयोग व संचार-माध्यम की क्षमता को नई दिशाएं मिली हैं।

चलचित्र के माध्यम से भी हिन्दी विश्व-स्तर पर सम्मानित हो रही है। आधुनिक फ़िल्मकार भारत ही नहीं, यूरोप,अमरीका,अरब जैसे देशों के दर्शकों को ध्यान में रखकर फ़िल्में बना रहें हैं। इस प्रकार मनोरंजन और अर्थ उत्पादन के साथ-साथ सार्थकता की दृष्टि से सिनेमा ने हिन्दी की लोकप्रियता और व्यावहारिकता बढ़ाई है। मोबाइल फ़ोन तथा कम्प्यूटर की संचार-क्रांति ने संसार को अपनी मुट्ठी में जकड़ लिया है। इसी प्रकार इंटरनेट व वेबसाइट की सुविधा ने पत्र-पत्रिकाओं के ई-संस्करण तथा ऑनलाइन पुस्तकों की उपलब्धि करा कर ज्ञान-प्राप्ति का नवीन स्रोत उद्घाटित किया है।

www.PapaCambridge.com

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें। (प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।)

[पूर्णांक : 15+5=20]

(a) व्यापारिक दृष्टि से भाषा के किन्हीं तीन योगदानों का वर्णन कीजिए। [3]

(b) 'भूमंडलीकरण की सत्ता सैन्यशक्ति में नहीं अपितु जनसंचार में निहित है ?' किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए। [2]

(c) 'हिन्दी भाषा सरलीकरण की ओर बढ़ रही है' से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित इसका विश्लेषण कीजिए। [4]

(d) संचार-माध्यम से आप क्या समझते हैं ? इसके दो प्रभावों पर प्रकाश डालिए। [2]

(e) हिन्दी चलचित्र के आगमन के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। [4]

[पूर्णांक : 20]

5 (a) उपर लिखित दोनों अनुच्छेद भाषा के विभिन्न पक्षों का विश्लेषण करते हैं। दोनों अनुच्छेदों के आधार पर अनुवाद के लाभों का स्पष्टीकरण अपने शब्दों में कीजिए। [10]

(b) उपर लिखित दोनों अनुच्छेदों को ध्यान में रखते हुए अपने अनुभवों के आधार पर लिखिए कि बहुभाषिकता मानव समाज के लिए लाभदायक है या नहीं। [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली: 5]

[पूर्णांक : 20]

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of